RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

AIDOM
BATCH



CLASS 12th | HISTORY

राजा, किसान और नगर

Chapter-2 | Part-2 आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

हड़प्पा सं० ——1500 साल——→ उपमहाद्वीप



सिंधु → वेद

① कृषक बस्ती
② चारगाह बस्ती
③ महापाषाण

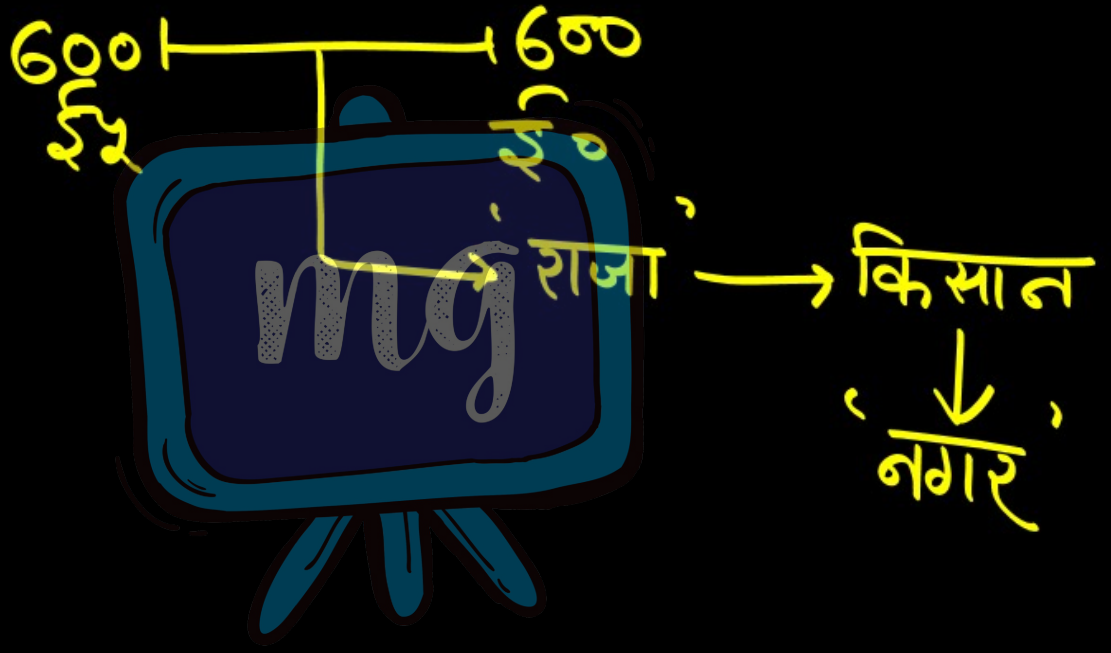
60°
60°
30°
30°
mg
राजा
किसान
नगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1 प्रारम्भिक राज्य

2 महाजनपद

3 मगध

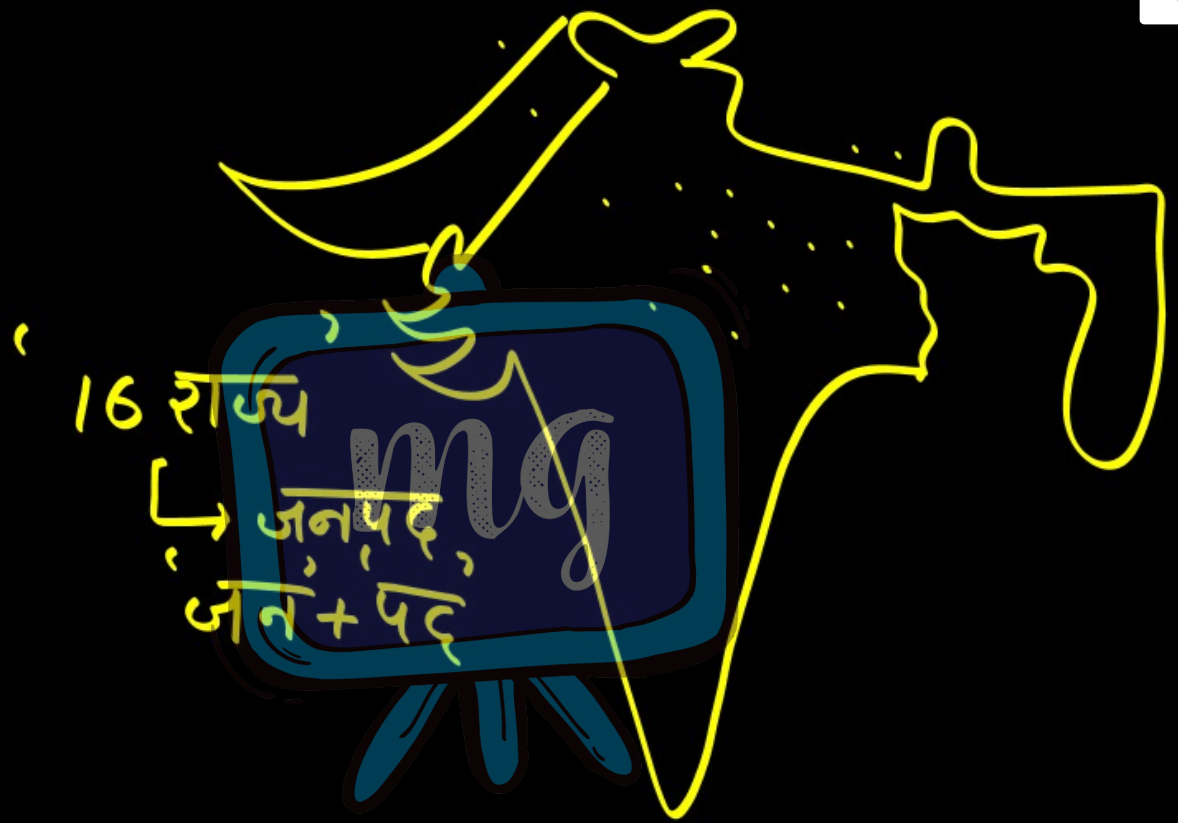
16 राज्य
जनपद
जन + पद

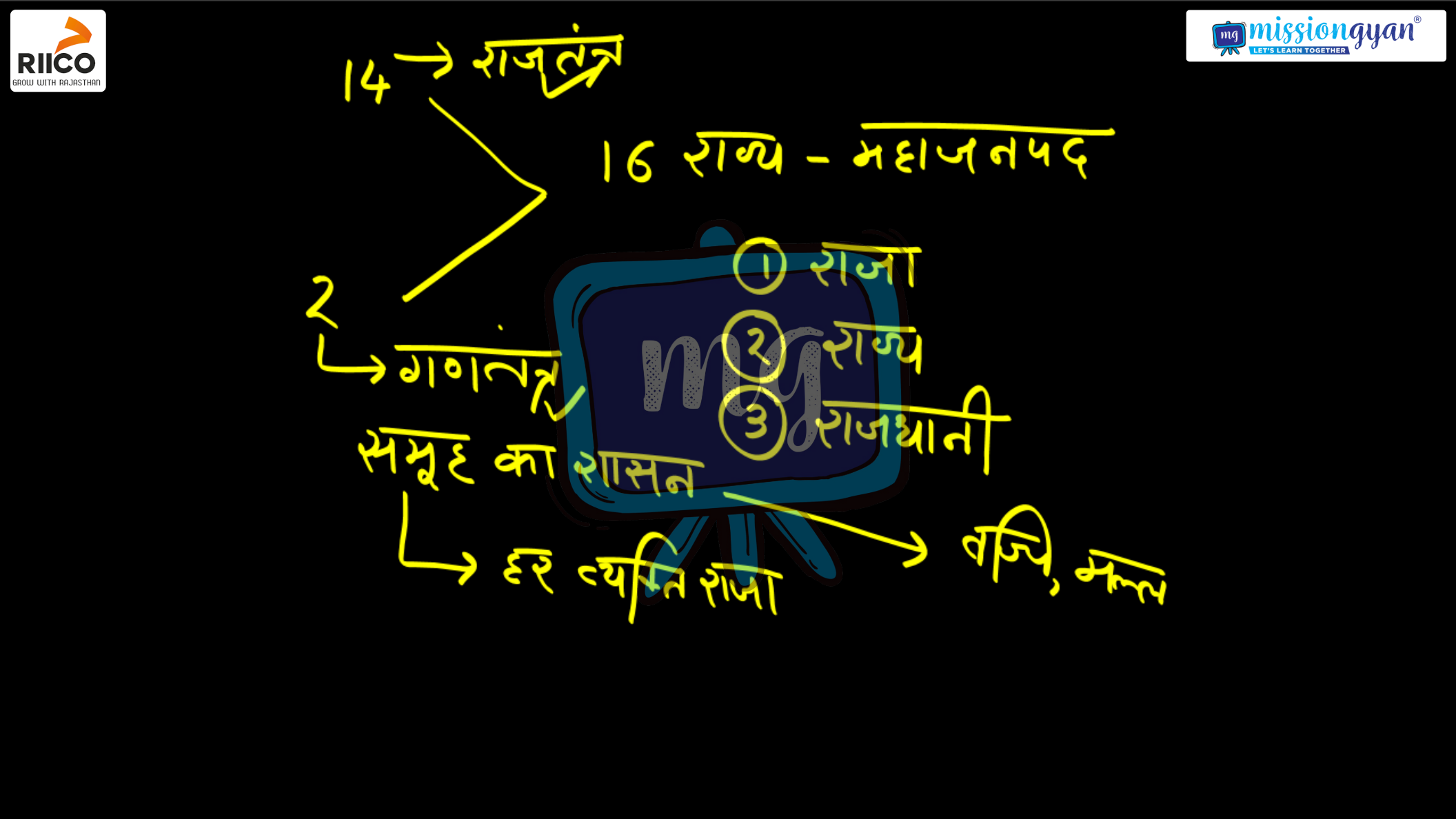
14 → राजतंत्र
16 राज्य - महाजनपद
2
→ गणतंत्र
समूह का शासन
① राजा
② राज्य
③ राजधानी
→ हर व्यक्ति राजा
→ वज्जि, मल्ल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

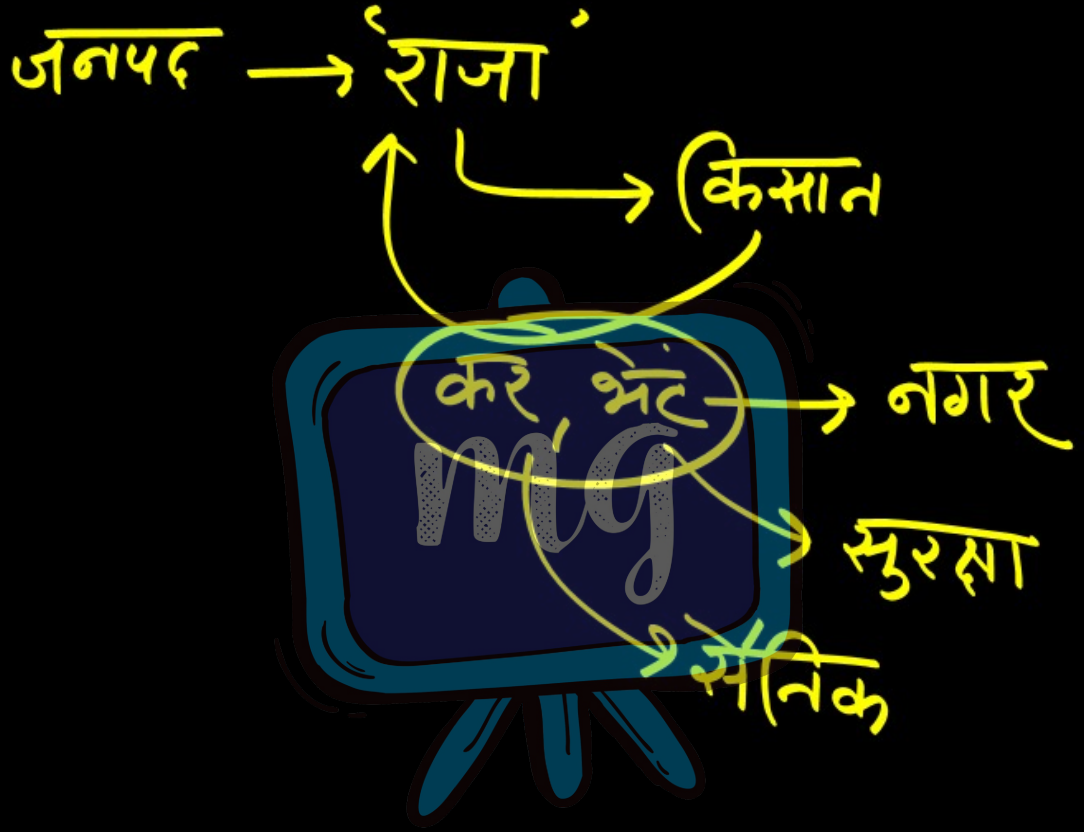

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मगध → बिहार

↓

साम्राज्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

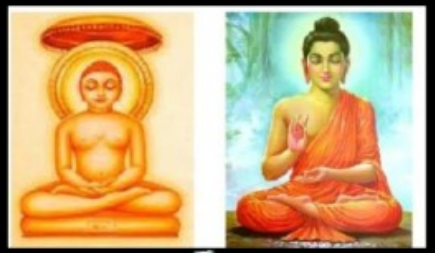



16 महाजनपद

प्रारम्भिक राज्य

सोलह महाजन पद

जनपद = जन + पद

- ऐसा भूखंड जहां कोई जन अपना पांव रखता है अथवा बस जाता है।
- 600 ई. पूर्व का समय भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल था क्योंकि यह काल आरंभिक राज्यों, नगरों, लोहे के बढ़ते प्रयोग तथा सिक्कों के विकास के लिए प्रमुख था।

- इसी काल में बौद्ध तथा जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।
- बौद्ध तथा जैन ग्रंथों में ही महाजनपद नाम से सोलह राज्यों का उल्लेख मिलता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महाजनपद



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

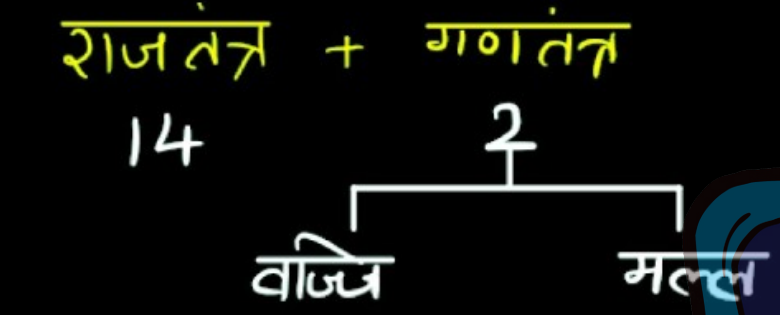

गण संघ

लोगों का समूह

शासन

- 14 स्थानों पर राजतंत्र था।
- 2 स्थानों वज्जि तथा मल्ल में गणतंत्र था।
- अधिकांश महाजनपदों में राजा का शासन था।
- 'गण' और 'संघ' के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था और इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था।
- भगवान महावीर तथा भगवान बुद्ध इन्हीं गणों से संबंधित थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- वज्जि तथा मल्ल में राजा-गण भूमि सहित अनेक आर्थिक स्त्रोतों पर सामूहिक नियंत्रण रखते थे।
- ये राज्य लगभग 1000 सालों तक बने रहे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी जिसे प्रायः किले से घेरा जाता था।
- किलेबंद राजधानियों के रखरखाव और सेनाओं तथा नौकरशाही के लिए भारी आर्थिक स्त्रोत की आवश्यकता थी।
- लगभग 600 ई. पूर्व में ब्राह्मणों ने संस्कृत में धर्मशास्त्र नामक ग्रंथों की रचना की जिसमें शासक सहित अन्य के लिए भी नियमों का निर्धारण किया गया और यह अपेक्षा की जाती थी कि शासक क्षत्रिय वर्ग के ही होंगे।



कर + भेंट



- शासकों का कार्य किसानों, व्यापारियों और शिल्पकारों से कर तथा भेंट वसूलना माना जाता था।
- संपति जुटाने का एक वैद्य उपाय पड़ौसी राज्यों पर आक्रमण करके धन इक्ट्ठा करना भी माना जाता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- धीरे – धीरे कुछ राज्यों ने अपनी स्थायी सेनाऐं और नौकरशाही तंत्र तैयार कर लिये जबकि बाकी राज्य अब भी कृषक वर्ग से नियुक्त की जाने वाली सहायक सेना पर निर्भर थे।



Q. महाजनपद ?

Q. कितने महा० राजतंत्र थे ?

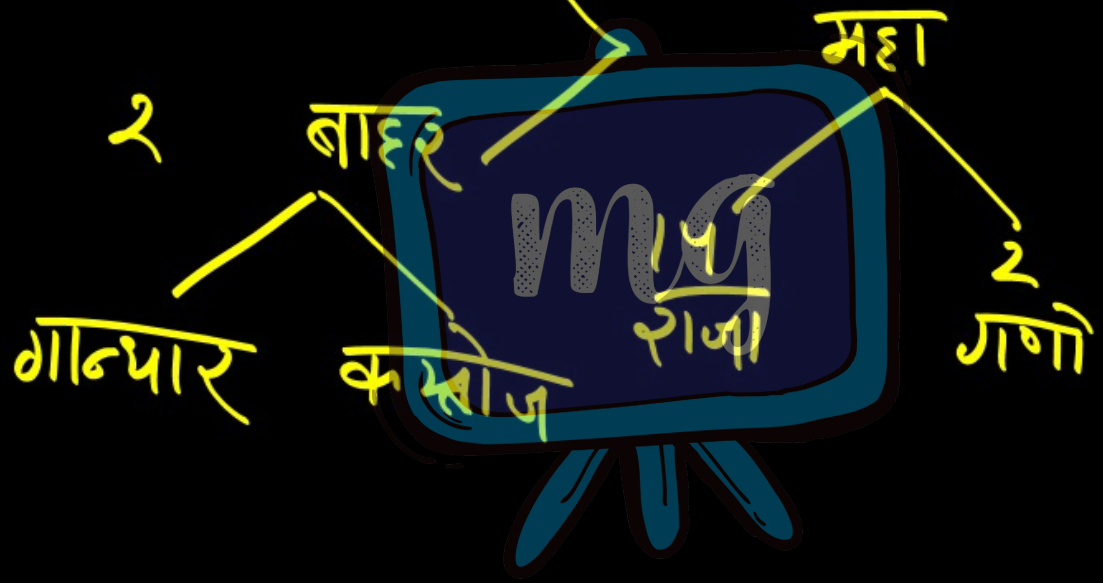

Q. ब्राह्मणों द्वारा कौनसे ग्रंथ लिखे गये?

Q. राजा की जिम्मेदारियां क्या थी?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

'मगध' ?

16 X ⟶ ① 'मगध साम्राज्य'

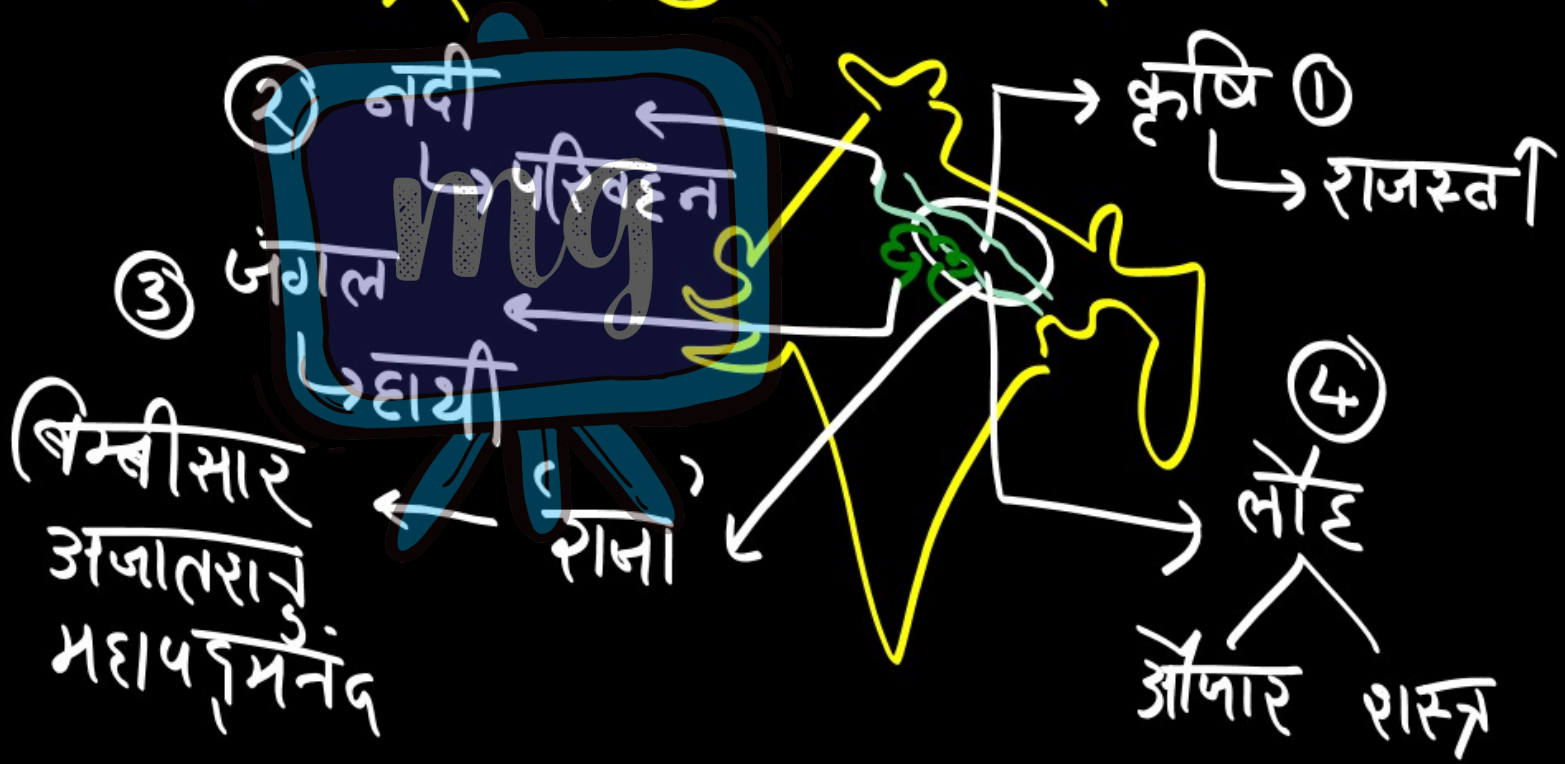

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सोलह महाजनपदों में प्रथम - मगध

- 600 ई. पूर्व - 400 ई. पूर्व में मगध (आधुनिक बिहार) सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया।
- कारण :-
  1. मगध क्षेत्र में खेती की उपज खासतौर से अच्छी होती थी।
  2. लोहे की खदानें (आधुनिक व झारखंड) भी आसानी से उपलब्ध थीं जिससे उपकरण और हथियार बनाना सरल हो गया था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. जंगली क्षेत्रों में हाथी उपलब्ध थे जो सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे।
4. गंगा व उसकी उपनयों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था।
5. जैन और बौद्ध लेखकों ने मगध की महत्ता का कारण विभिन्न शासकों की नीतियों को बताया है। इनके अनुसार बिंबिसार, अजातसतु और महापद्मनंद जैसे - प्रसिद्ध राजा अत्यन्त महत्वकांक्षी थे और इनके मंत्री इनकी बेहतर नीतियां लागू करते थे।

Q. 16 महाजनपदो में मगध इतना ताकतवर क्यो हुआ ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आरम्भ में राजगाह (राजगीर का प्राकृत नाम) मगध की राजधानी थी। जिसका अर्थ है 'राजाओं का घर'। पहाड़ियों के बीच बसा राजगाह एक किले बंद शहर था।



→ पाटलिपुत्र
↓
'पटना'

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चौथी शताब्दी ई. पूर्व में **पाटलिपुत्र को राजधानी** बनाया गया। जिसे अब **पटना कहा जाता** है। जिसकी गंगा के रास्ते आवागमन के मार्ग पर महत्वपूर्ण अवस्थिति थी।





राजगीर के किले की दीवार


कंबोज
पुष्कलावती
गांधार
तक्षशिला
मगध साम्राज्य
इन्द्रप्रस्थ
अहिच्छत्र
कुरु
पांचाल
शूरसेन
मथुरा
मत्स्य
श्रावस्ती
कोशल
काशी
कौशाम्बी
वाराणसी
वत्स
मल्ल
कुशीनगर
वज्जि (वृजि)
वैशाली
मगध
राजगीर
चंपा
अंग
वंग
चेदि
अवन्ति
उज्जयिनी
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
अश्मक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- हर्यांक वंश : (544 – 492 ई. पू.)
- शिशुनाग वंश : (413 – 345 ई. पू.)
- नन्द वंश : (345 – 322 ई. पू.)
- एक आरम्भिक साम्राज्य : (321 ई. पू. – 185 ई. पू.)
- चंद्रगुप्त मौर्य: (322 – 298 ई. पू.)
- बिन्दुसार : (298 – 271 ई. पू.)
- असोक : (269 – 232 ई. पू.)
- कुणाल : (232 – 228 ई. पू.)
- दशरथ : (228 – 224 ई. पू.)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सम्प्रति : (224 – 215 ई. पू.)
- शालिसुक : (215 – 202 ई. पू.)
- देव वर्मन : (202 – 195 ई. पू.)
- शतधन्वन : (195 – 187 ई. पू.)
- वृहद्रय : (187 – 185 ई. पू.)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

